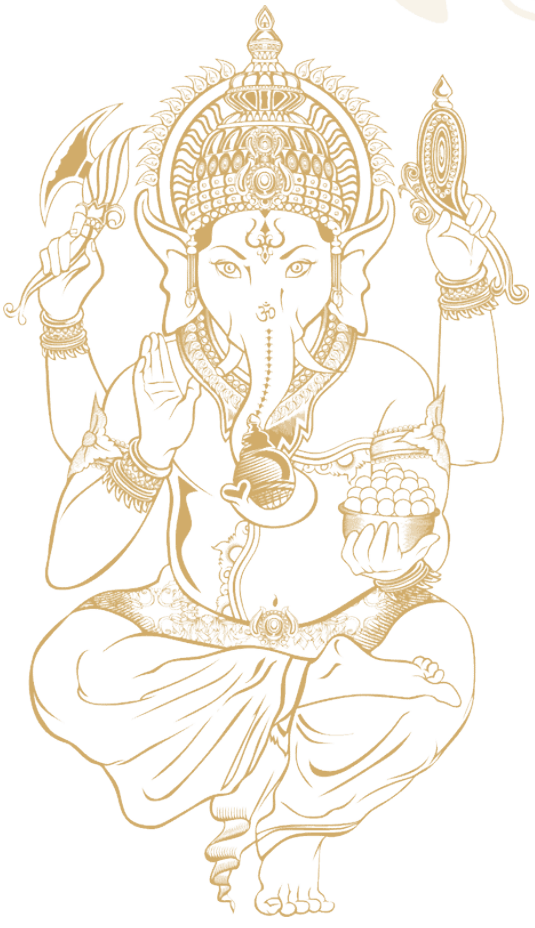

Durgesh Chandak

Shradda Mantri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121861706

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/08/1996	जन्म तिथि	11/05/1998
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 12:25:00	जन्म समय	17:15:00 घंटे
घटी 15:16:10	जन्म समय(घटी)	28:06:00 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Latur
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	18:24:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	76:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:23:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:32	सूर्योदय	05:52:10
18:51:16	सूर्यास्त	18:48:22
23:48:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:54

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 11मा 11दि	06:57:37	वृश्चि	लग्न	तुला	06:15:23	गुरु 9वर्ष 5मा 1दि
बुध	13:22:02	सिंह	सूर्य	मेष	26:45:24	शनि
11/08/2013	04:46:24	मीन	चंद्र	तुला	25:28:59	12/10/2007
12/08/2030	29:30:43	मिथु	मंगल	मेष	27:04:53	12/10/2026
बुध 08/01/2016	08:32:57	कन्या	बुध	मेष	01:18:13	शनि 15/10/2010
केतु 04/01/2017	14:02:17	धनु व	गुरु	कुंभ	27:38:40	बुध 24/06/2013
शुक्र 05/11/2019	27:54:28	मिथु	शुक्र	मीन	14:52:06	केतु 03/08/2014
सूर्य 11/09/2020	12:09:34	मीन व	शनि	मेष	02:59:50	शुक्र 02/10/2017
चन्द्र 10/02/2022	14:25:17	कन्या व	राहु व	सिंह	13:50:31	सूर्य 14/09/2018
मंगल 07/02/2023	14:25:17	मीन व	केतु व	कुंभ	13:50:31	चन्द्र 15/04/2020
राहु 27/08/2025	07:28:43	मक व	हर्ष	मक	18:53:45	मंगल 25/05/2021
गुरु 02/12/2027	01:31:39	मक व	नेप व	मक	08:19:04	राहु 30/03/2024
शनि 12/08/2030	06:37:54	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:18:43	गुरु 12/10/2026

लग्न-चलित

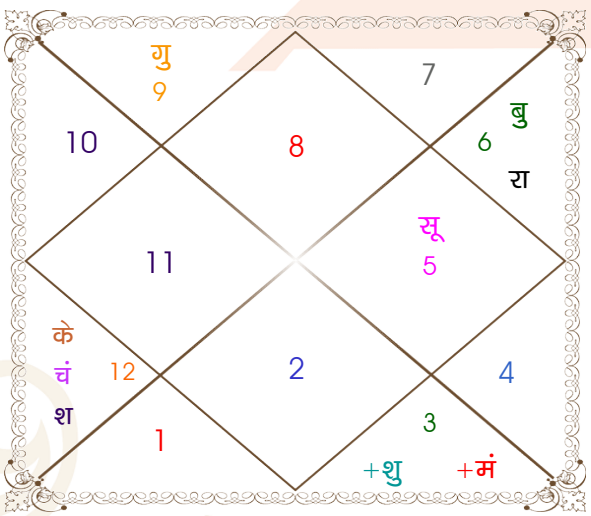

लग्न-चलित

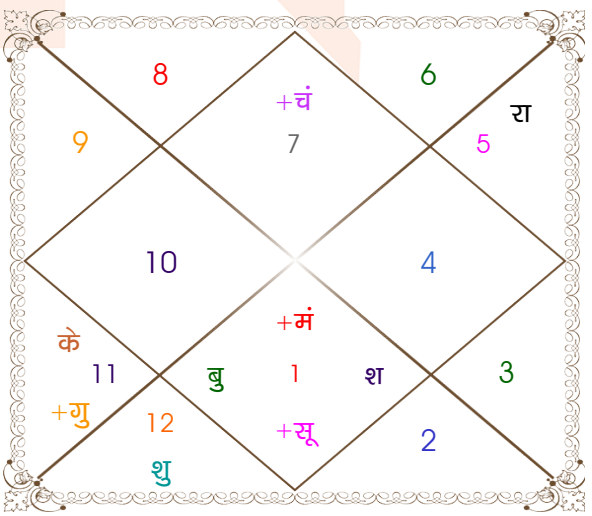

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	व्याघ्र	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

क्नतहमी बैंदकां का वर्ग सर्प है तथा Shradda Mantri का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्नतहमी बैंदकां और Shradda Mantri का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

क्नतहमी बैंदकां मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Shradda Mantri मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shradda Mantri कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shradda Mantri कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Shradda Mantri कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु क्नतहमेी बैंदकां कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्नतहमेी बैंदकां तथा Shradda Mantri में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।